बिहार सरकार
निर्वाचन विभाग
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार का कार्यालय
7, सरदार पटेल मार्ग (मैंगल्स रोड), बिहार, पटना – 800015

दूरभाष सं०:– 0612-2217956
फैक्स:– 0612-2215611@2215978
ई–मेल:– ceo_bihar@eci.gov.in

प्रेस–विज्ञप्ति

दिनांकः 17 मई 2025,
स्थानः मोतिहारी, पूर्वी चंपारण
एवं बेतिया,पश्चिमी चंपारण,बिहार

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारी के क्रम में निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी का पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण का दौरा

भारत निर्वाचन आयोग के माननीय निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने आज पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) स्थित एफएलसी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ईवीएम/वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच (FLC) प्रक्रिया की बारीकी से समीक्षा की और ईसीआईएल (Electronics Corporation of India Limited) के अभियंताओं से तकनीकी जानकारियाँ प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मोतिहारी में ईसीआईएल के 18 अभियंता 2 मई से एफएलसी का कार्य कर रहे हैं, जो 24 मई तक पूर्ण किया जाएगा।

यह कार्य निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों एवं प्रोटोकॉल के अनुसार मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जा रहा है। निर्वाचन आयुक्त के निरीक्षण के दौरान सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल भाजपा, जदयू, राजद, कांग्रेस, लोजपा(R), बसपा, CPI(M), कम्युनिस्ट पार्टी(ML) और आम आदमी पार्टी के जिला प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पश्चिम चम्पारण में समीक्षा बैठक

निरीक्षण के पश्चात डॉ. जोशी ने पश्चिमी चंपारण जिला मुख्यालय, बेतिया में निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री विनोद सिंह गुंजियाल, जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री दिनेश कुमार राय, रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री हरकिशोर राय, पुलिस अधीक्षक बेतिया श्री शौर्य सुमन, पुलिस अधीक्षक बगहा श्री सुशांत कुमार सरोज, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अशोक प्रियदर्शी, राज्य मीडिया एवं नोडल अधिकारी श्री कपिल शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से जिले के निर्वाचन संबंधित आंकड़ों को प्रस्तुत किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री गुंजियाल ने सभी मतदान केंद्रों में न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता, फोर्स के ठहराव की व्यवस्था, वन क्षेत्र में स्थित बूथों तक सुगम आवागमन तथा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 की तैयारियों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने पश्चिमी चंपारण जिले में निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जिले के कुल 2731 मतदान केंद्रों, जिनमें 308 शहरी तथा 2423 ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं, पर आश्वस्त न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। विशेष रूप से वन क्षेत्रों में स्थित बूथों तक सुगम आवागमन की व्यवस्था पर बल दिया गया।

उन्होंने युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर जानकारी देते हुए बताया कि 18–19 वर्ष आयु वर्ग के अनुमानित 2,04,162 युवाओं की तुलना में मात्र 29,897 का ही नाम मतदाता सूची में दर्ज है, जो लगभग 85 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। इस अंतर को दूर करने के लिए विशेष नाम जोड़ो अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें नेहरू युवा केंद्र, निर्वाचन साक्षरता क्लब (ELC), कैंपस एंबेसेडर, स्थानीय शिक्षण केंद्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया। साथ ही, वोटर हेल्पलाइन ऐप के QR कोड प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित कर युवाओं को नामांकन के लिए प्रेरित किया जाएगा।

प्रस्तुतीकरण के दौरान यह भी सामने आया कि जिले का जनगणना आधारित लिंगानुपात 909 है, जबकि मतदाता सूची में यह 892 है। इस असंतुलन को दूर करने हेतु सभी पात्र महिला मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज कराने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। डॉ. जोशी ने कहा कि इससे न केवल लैंगिक समावेशन को बल मिलेगा, बल्कि बिहार में मतदान प्रतिशत को भी बढ़ाने में सहयोग मिलेगा।

मतदाता सूची की शुद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि मृत मतदाताओं के नामों को नियमानुसार विलोपित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची एक निरन्तर रूप से अपडेट होने वाला दस्तावेज है जिसे समयबद्ध रूप से अद्यतन करना सभी निर्वाचन कर्मियों का दायित्व है।

निर्वाचन आयुक्त ने यह भी कहा कि निर्वाचन कार्य समय–संवेदनशील होता है, अतः इससे जुड़े सभी सहभागी पक्षों ,पदाधिकारी एवं कर्मियों को अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं समयबद्धता के साथ करना चाहिए ताकि निर्वाचन प्रक्रिया पारदर्शी, त्वरित और निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके।

उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया। बिहार में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान राज्य का औसत मतदान प्रतिशत 56.28 प्रतिशत रहा, जबकि पश्चिमी चंपारण का प्रतिशत 60.59 प्रतिशत रहा। इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यद्यपि यह राज्य औसत से बेहतर है, परंतु राष्ट्रीय औसत 66.10 प्रतिशत से अभी भी कम है। अतः जिले को आगामी विधानसभा आम निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। इसके लिए माइक्रो–स्तर पर व्यापक SVEEP गतिविधियां चलाई जाएंगी, जिनमें पिछले चुनावों के अनुभवों का भी उपयोग किया जाएगा।

अंत में, डॉ. जोशी ने 2020 एवं 2024 के आम निर्वाचनों से प्राप्त अनुभवों के आधार पर 2025 के आम चुनाव को अधिक सहज, समावेशी एवं पारदर्शी बनाने हेतु सभी स्तरों पर सुदृढ़ तैयारी सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सभी सहयोगी कर्मियों को उपयुक्त प्रशिक्षण प्रदान किया जाए ताकि उनकी दक्षता में वृद्धि हो और चुनाव प्रक्रिया की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

मतदान केंद्र का निरीक्षण

बेतिया में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक के उपरांत निर्वाचन आयुक्त द्वारा सिकटा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 207, प्राथमिक विद्यालय इनरवा का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित मतदान केंद्र पदाधिकारी से बूथ पर संचालित की जा रही निर्वाचन संबंधी गतिविधियों एवं मतदाता सूची की तैयारी के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस दौरे के अगले चरण में, कल दिनांक 18 मार्च 2025 को वाल्मीकि नगर में सशस्त्र सीमा बल एवं वन विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी।

.....